नि:शक्तों हेतु रोजगारपरक प्रशिक्षण सम्पन्न

रांची, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2014
www.sanmargjharkhand.com
05

जीवीटी ने नि:शक्तों दिया कंप्यूटर का प्रशिक्षण

रांची : ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने नि:शक्तों को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया। ट्रस्ट की पहल पर चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत नि:शक्त छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके पहले सत्र में कुल 120 नि:शक्तों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाले मानदेय से एक छात्र शिव कुमार राम इलाज के लिए राजस्थान जाने में सफल हुए। जीवीटी कृभको द्वारा स्थापित एक संस्था है। संस्था झारखंड सहित अन्य राज्यों में टिकाऊ विकास के लिए प्रयासरत है। नि:शक्तों के लिए यह प्रशिक्षण नेशनल हैंडीकैप्ट फाइनेंस एडं डेवलपमेंट कॉपोरेशन एवं पावर फाइनेंस कॉपोरेशन नयी दिल्ली के संयुक्त प्रयास से जीवीटी द्वारा चलाया जा रहा है। ट्रस्ट के वरिष्ठ प्रबंधक बीके सहाय ने बताया कि तीन माह के इस प्रशिक्षण सत्र में नि:शक्तों में विशेषकर छात्राओं ने काफी रुचि दिखायी है।

अब नि:शक्त भी कम्प्यूटर के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। नि:शक्त छात्र जो नियमित शिक्षा प्राप्त कर रोजगार की तलाश में थे उन्हें व्यावहारिक शिक्षा से जोड़ने का ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा एक पहल किया जा रहा है। कुल 120 नि:शक्त गरीब छात्र-छात्राओं को चयनित कर तीन माह के कम्प्यूटर क्षेत्र में प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का समापन किया गया। गरीब एवं असहाय नि:शक्तों के लिये यह प्रशिक्षण वरदान साबित हो रहा है जो व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त कर रोजगार हेतु उनके मनोबल में वृद्धि से समझा जा सकता है। दूसरी ओर, एक छात्र शिव कुमार राम ने प्राप्त मानदेय से अपने चिकित्सा हेतु राजस्थान जाने में सहायक सिद्ध हुआ है।

ग्रामीण विकास ट्रस्ट, कृभको द्वारा स्थापित एक संस्था है जो झारखण्ड सहित अन्य राज्यों में टिकाऊ विकास हेतु प्रयत्नशील है। नि:शक्तों हेतु यह प्रशिक्षण नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेन्स एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, भारत सरकार एवं पावर फाइनेन्स कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा चलाया जा रहा है। तीन माह के इस प्रशिक्षण में नि:शक्तों मुख्यतः छात्राओं ने काफी रूचि दिखायी तथा यह रोजगारपरक प्रशिक्षण का प्रथम सत्र में सफलतापूर्वक भाग लिया।
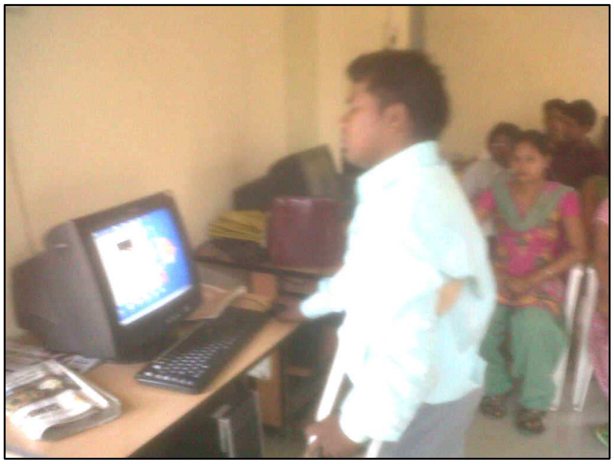
Glimpses of Training Programme for physically challenged persons